एकात्म भारत के लिए
सुरेंद्र मिश्रा द्वारा प्रकाशित

एकात्म भारत

@EkatmaBharat
दैनिक एकात्म भारत

कार्तिक शुक्ल पक्ष, अष्टमी
सोमवार विक्रम संवत् 2076

जो एकात्म है वही भारत है

4 नवंबर 2019, इंदौर
e-paper : www.ekatmabharat.com

संघ व सेवा भारती ने पोलियो उन्मूलन अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई

नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने आरएसएस और सेवा भारती को पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाने का बृहस्पतिवार को श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं ने पर्दे के पीछे से काम किया लेकिन कभी अपने प्रयासों का प्रचार नहीं किया। ल्स पोलियो कार्यक्रम के रजत जयंती समारोह की अध्यक्षता करने के दौरान उन्होंने देश से पोलियो मिटाने में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के योगदान एवं समर्थन को याद किया। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष जे पी नड्डा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। वर्धन ने 1994 से 1998 के बीच राष्ट्रीय राजधानी में पोलियो के विरुद्ध चलाए गए अभियान को सफल बनाने के लिए कांग्रेस के तत्कालीन विधायकों की भूमिका की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि 2002 में उत्तर प्रदेश और बिहार में पोलियो के मामले बहुत बढ़ गए थे और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आरएसएस के करीब 200 नेताओं को इस विषय पर सक्रियता से काम करने के संबंध में पत्र भेजे थे। वर्धन ने इस मौके पर 'मिशन इंद्रधनुष 2.0' की शुरुआत करते हुए कहा, "बहुत कम लोगों को पता है कि आरएसएस के शीर्ष नेतृत्व से लेकर जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं तक, पूरे संगठन ने पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम में अहम भूमिका निभाई। आरएसएस और सेवा भारती ने इसका प्रचार नहीं किया। उन्होंने कहा, "उनके कार्यकर्ताओं ने पर्दे के पीछे रह कर काम किया और कार्यक्रम के लिए एक प्रकार का आधार बनाया।"

अयोध्या में रामलला आ चुके हैं!

तैयारियों को देखते हुए निकाले जा रहे निष्कर्ष, 7 को भी आ सकता है निर्णय

दिल्ली

श्री राम जन्मभूमि मामले पर निर्णय की घड़ी निकट है। इसे देखते हुए न केवल निर्णय कब आएगा बल्कि इस बात के भी अनुमान लगाए जा रहे हैं कि निर्णय क्या होगा? सरकार और दोनों पक्षों में चल रही गतिविधियों को देखते हुए जानकारों का कहना है कि अयोध्या में रामलला आ चुके हैं। वहीं दोनों पक्ष निर्णय को स्वीकार करने के साथ ही सद्भाव बनाए रखने की बात भी कर रहे हैं।

जिन बातों के आधार पर कहा जा रहा है कि निर्णय रामलला के पक्ष में आएगा उनमें पहली बात यह है कि कई मुस्लिम जन्मभूमि पर दावा छोड़ने की सलाह देने लगे हैं। इन लोगों में पूर्व आईएएस और कुलपति से लेकर पुताई करने वाले श्रमिक तक शामिल हैं। मुस्लिम समाज से आने वाले पेंटर (पुताई करने वाले) मल्लन कहते हैं कि मस्जिदें तो लाखों है लेकिन राम जन्मभूमि तो एक ही है। जैसे हमारा काबा वैसे हिंदू भाइयो के लिए राम जन्म भूमि। इस्लाम दूसरे की भावनाओं की कद्र करने की तालीम देता है। इस्लाम कहता है कि यदि पड़ोसी भूखा है तो हमारा खाना जायज नहीं है। हम अपने पड़ोसी हिंदू भाइयों की धार्मिक भावनाओं का एहसास ना करके अपनी इबादत को कैसे अंजाम दे सकते हैं? इसी तरह से मुस्लिम विद्वान कल्बे सादिक का कहना है कि यदि मुस्लिम कोर्ट में जीत जाएं तो भी उन्हें ये भूमि हिन्दुओं को दे देना चाहिए। बल्कि वे तो निर्णय आने के पहले ही इस कदम को उठाने की राय दे रहे हैं।

दूसरी बात जो इस मामले में राम मंदिर की और संकेत कर रही है वो है प्रशासनिक सक्रियता। यूपी सरकार की तरफ से जो शासनादेश आया है अगर उसका अवलोकन किया जाए तो मिलता है कि इसमें फील्ड में जुटे अधिकारियों की छुट्टी को त्योहारों का हवाला देकर 30 नवंबर तक के लिए निरस्त किया गया है.बात त्योहारों

की चल रही है तो बताना जरूरी है कि छठ उत्तर प्रदेश में उतने बड़े पैमाने पर नहीं होता और यहां बड़ा त्योहार दिवाली ही है जोकि अक्टूबर में ख़त्म हो रहा है। ऐसे में नवंबर तक छुट्टियां करना ये बताता है कि ये सारी कवायद अयोध्या निर्णय के परिदृश्य में की गई है जो नवंबर में आ रहा है।

तीसरा कारण जो कि राम मंदिर के पक्ष में माना जा रहा है वो है कोर्ट में मुस्लिम पक्ष के वकील राजीव धवन का नक्शा फाड़ना। दरअसल हुआ ये था कि सुनवाई के दौरान हिंदू महासभा के वकील विकास सिंह ने एडिशनल डॉक्यूमेंट के तौर पर पूर्व आईपीएस किशोर कुणाल की किताब अदालत में रखने का प्रयास किया था। मुस्लिम पक्ष के वकील राजीव धवन को ये बात नागवार गुजरी और उन्होंने आपत्ति दर्ज करते हुए कहा कि अगर ऐसा हुआ तो वह इनके (हिंदू महासभा के वकील) के सवालों का जवाब नहीं देंगे। इसपर विकास सिंह ने कहा कि मैं किताब पर अपना जवाब नहीं दे रहा हूं लेकिन हाईकोर्ट के आदेश के मुताबिक एक नक्शा दिखाना चाहता हूं। विकास सिंह का इतना कहना भर था मुस्लिम पक्ष के वकील राजीव धवन आग बबूला हो गए और उन्होंने उस नक़्शे को फाड़ कर उसके 5 टुकड़े कर दिए। कोर्ट में मुस्लिम पक्ष के वकील राजीव धवन के इस बर्ताव ने इस बात का एहसास करा दिया है कि रामलला आ रहे हैं।

इसके अलावा जानकारों का मानना है कि न्यायालय भूमि को सरकार भी घोषित सकते हैं। ऐसी स्थिति में भूमि के समस्त अधिकार सरकार के पास आ जाते हैं और सरकार इसके उपयोग के बारे में निर्णय ले सकती है। ऐसी स्थिति में इस भूमि का उपयोग तय करने का दायित्व प्रदेश सरकार के पास आ जाऐगा। इसके बाद ये कोई भी समझ सकता है कि प्रदेश सरकार इस भूमि का क्या उपयोग करेगी। कल्याण सिंह के कार्यकाल में भी प्रदेश सरकार ने विवादित स्थल के आसपास की भूमि मंदिर के लिए अधिग्रहित की थी। इसके चलते लग रहा है कि अयोध्या में रामलला आ चुके हैं।

तैयारी : राम मंदिर के निर्णय को देखते हुए प्रयागराज में विहिप की बैठक

प्रयागराज

अयोध्या में राममंदिर पर आने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए विहिप ने भी कवायद शुरू कर दी है। इसकी कमान विहिप के केंद्रीय उपाध्यक्ष चंपत राय ने संभाल रखी है। रविवार की सुबह चंपत राय अचानक प्रयागराज पहुंचे। यहां विहिप के प्रांतीय कार्यालय में उन्होंने प्रमुख पदाधिकारियों के साथ लंबी वार्ता की।

विहिप के तमाम पदाधिकारी यह मानकर चल रहे हैं कि 17 नवंबर से पहले राम मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट से फैसला आ जाएगा। इतना ही नहीं फैसला अपने पक्ष में आने को लेकर भी विहिप पदाधिकारी आशान्वित हैं। हालांकि संघ की तरह विहिप नेता भी इस फैसले पर सभी से तटस्थ रहने का आह्वान कर रहे हैं। इसी संबंध में चंपत राय ने रविवार को केसर भवन में क्षेत्र संगठन मंत्री अंबरीश, काशी प्रांत संगठन मंत्री मुकेश कुमार के साथ अवध, गोरक्ष और कानपुर प्रांत के प्रमुख पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

सूत्रों के मुताबिक बैठक में चंपत राय ने कहा कि फैसला जो भी आए, उसे हार जीत की बजाय खुले मन से स्वीकार किया जाए। फैसला चाहे पक्ष में आए या फिर विरोध में, इसमें जश्न या विरोध किसी को नहीं जताना है। सोशल मीडिया पर भी गैर जरूरी टिप्पणी करने से मना किया गया। विहिप पदाधिकारियों के बाद चंपत राय ने संघ पदाधिकारियों से भी मुलाकात की।

इस बारे में क्षेत्र संगठन मंत्री अंबरीश ने कहा कि चंपत राय अमूमन प्रयागराज आते रहते हैं। उनका प्रयागराज से गहरा नाता है। अयोध्या मामले में उन्होंने कहा कि सब कुछ सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर निर्भर है। सभी देश वासियों की इच्छा है कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल भले ही इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनसे जुड़ी तमाम यादें आज भी प्रयागराज के जेहन में ताजा हैं। अपने जीवन काल में रामजन्म भूमि आंदोलन समेत तमाम महत्वपूर्ण निर्णय उन्होंने प्रयागराज के केसर भवन में ही लिये। सिंघल की वजह से ही राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान प्रयागराज एक बड़ा केंद्र बिंदु बनकर उभरा। उस समय भी केसर भवन में चंपत राय इस आंदोलन की रणनीति सिंघल के साथ बनाते थे। तब से अब तक केंद्रीय उपाध्यक्ष चंपत राय जब भी प्रयागराज आते हैं, वह केसर भवन में ही रुकते हैं।